3. भारत में उन्नीसवीं सदी के विऔद्योगीकरण का विश्लेषण किस तरह से करघे की संख्या और रोजगार की संख्या से परे अंतर्दृष्टि प्रदान करता है? (18)

4. ब्रिटिश शासन के तहत भारतीय अर्थव्यवस्था के डेविड वॉशब्रुक के विश्लेषण पर चर्चा कीजिए, और उन तरीकों का मूल्यांकन कीजिए जिनसे ब्रिटिश साम्राज्यवादी नीतियों ने भारत की आर्थिक संरचना और विकास को प्रभावित किया। (18)

5. औपनिवेशिक काल के दौरान भारतीय अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों पर रेलवे के प्रभाव की समालोचनात्मक विवेचना कीजिए। (18)

6. उन्नीसवीं सदी तक, भारतीय उपमहाद्वीप वैश्विक व्यापार में चांदी और सोने का एक प्रमुख आयातक बना रहा, जिसका मुख्य कारण दुनिया भर के बाजारों में भारतीय सूती वस्त्रों की अत्यधिक मांग थी। चर्चा कीजिए। (18)

7. ऋण पर केंद्रित स्थान से व्यापार के केंद्र बनने तक 'बाजार' के परिवर्तन पर चर्चा कीजिए। इसके अतिरिक्त, औपनिवेशिक भारत में व्यापारिक पूंजी के विकास और संचलन में इसकी भूमिका का विश्लेषण कीजिए। (18)

8. क्या भारत से धन का 'निष्कासन' हुआ था? धन के 'निष्कासन' के बारे में इरफान हबीब के परीक्षण के माध्यम से इस अवधारणा को स्पष्ट कीजिए। (8+10)

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No..............

Sr. No. of Question Paper : 4930 **J**

Unique Paper Code : 2274000017

Name of the Paper : Economy of Colonial India

Name of the Course : **Common Pool of GE**

Semester : VI

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Answer any **five** questions.
3. **All** questions carry equal marks.
4. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
3. **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं।

P.T.O.

4. इस प्रश्न–पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. "A conservative approach to how much the country could 'bear' to spend on famine relief meant that India bore some of the burden through increased deprivation and mortality". Keeping this in view, discuss the various famine policies implemented by the colonial government in India. (18)

2. What does the commercialisation of agriculture mean? Explains the factors that facilitated commercialisation of agriculture during the colonial period? (9+9)

3. In what ways analysis of nineteenth-century deindustrialisation in India provides insights that extend beyond the loom counts and employment numbers? (18)

4. Discuss David Washbrook's analysis of the Indian economy under British rule, and evaluate the ways in which British imperial policies influenced India's economic structure and development. (18)

5. Critically examine the impact of railways on various sectors of the Indian economy during colonial period. (18)

6. Until the nineteenth-century, the Indian subcontinent remained a major importer of silver and gold in global trade, largely because of an insatiable appetite for Indian cotton textiles in markets across the world. Discuss. (18)

7. Discuss the transformation of the 'bazaar' from being a place focused on credit to becoming a centre for trade. Additionally, analyse the role it played in the development and circulation of merchant capital in colonial India. (18)

8. Did a 'drain' of wealth occur from India? Elucidate this concept through Irfan Habib's examination of the 'drain' of wealth. (8+10)

1. "देश अकाल राहत पर कितना खर्च कर सकता है, इस बारे में रूढ़िवादी दृष्टिकोण का मतलब था कि भारत ने बढ़ती हुई वंचना और मृत्यु दर के माध्यम से कुछ बोझ उठाया।" इसे ध्यान में रखते हुए, भारत में औपनिवेशिक सरकार द्वारा लागू की गई विभिन्न अकाल नीतियों पर चर्चा कीजिए। (18)

2. कृषि के व्यावसायीकरण का क्या अर्थ है? औपनिवेशिक काल के दौरान कृषि के व्यावसायीकरण को सुगम बनाने वाले कारकों की व्याख्या कीजिए? (9+9)